PLANET NEWS INDIA
हर खबर सच के साथ
Follow us on:/

01

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

वर्ष : 01 | अंक : 01 | अलीगढ़, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1/-रुपया | www.planetnewsindia.com

अलीगढ़: शाहीन एकेडमी के छात्रों ने सड़क पर लगाया जाम, खाने की गुणवत्ता और मैनेजमेंट पर लगाए गंभीर आरोप

अलीगढ़। मंजूर गढ़ी स्थित **शाहीन एकेडमी** के छात्रों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया और जाम लगा दिया। छात्रों ने हॉस्टल में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताते हुए मैनेजमेंट पर कथित तौर पर दुर्व्यवहार और परेशान करने के आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सड़क पर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल में उन्हें लंबे समय से ठीक गुणवत्ता का भोजन नहीं मिल रहा है। इसके अलावा उनकी अन्य समस्याओं पर भी मैनेजमेंट द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा था।

छात्रों के प्रदर्शन के चलते सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। छात्रों का कहना है कि कई बार अपनी समस्याएं बताने के बावजूद जब कोई समाधान नहीं हुआ तो उन्हें सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़ा।

मामले में **शाहीन एकेडमी मैनेजमेंट का पक्ष सामने आना** अभी बाकी है। प्रशासन द्वारा छात्रों की शिकायतों और लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ग्रीन कॉरिडोर धड़ाम: सुबह छह से रात 10 बजे तक चलाने पर प्रतिबंध, ऑटो-ई-रिक्शा फिर भी भर रहे फर्राटा

शहर में सारसौल से बौनेर तक सुबह छह बजे से रात 10 बजे के बीच ऑटो और ई-रिक्शा चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन सोमवार को इसका कोई असर नहीं दिखाई दिया। ऑटो-ई-रिक्शा दिन भर फर्राटा भरते रहे। अलीगढ़ में बौनेर तिराहा से सारसौल चौराहे तक शहर के अंदरूनी जीटी रोड पर बनाए गए 10 किमी लंबे ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था फिर से धड़ाम हो गई है। नगर निगम प्रशासन ने इस कॉरिडोर पर सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक ऑटो और ई-रिक्शा चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन सोमवार को इसका कोई असर नहीं दिखाई दिया। ऑटो-ई-रिक्शा दिन भर फर्राटा भरते रहे। ऑटो और ई-रिक्शा चालक मनमाना किराया वसूल कर फर्राटा भर रहे हैं। छोटी से छोटी दूरी 10 रुपये और थोड़ा अधिक होने पर 15 से 20 रुपये तक लिए जा रहे हैं। इस कॉरिडोर पर ई-बस सेवा अब तक मुसाफिरों के लिए मुफीद नहीं बन सकी है। इन बसों के इंतजार में अधिकांश मुसाफिर ऑटो और ई-रिक्शा में ही सफर कर रहे हैं। पूरे रास्ते में जाम, धूल-धुआं, संकरी सड़कें और यातायात व्यवस्था का पालन नहीं होने से मुसाफिर परेशान हैं। रात नौ बजे के बाद यह समस्या और बढ़ जाती है। गौर हो कि इससे पहले 15 अप्रैल को ग्रीन कॉरिडोर व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन सफल नहीं हो पाई थी। बौनेर चौराहे से अचलताल तक जाने के लिए आधे पौन घंटे तक ई-बस का इंतजार करना पड़ता है। बस वाले 10 रुपये लेते हैं और ई-रिक्शा वाले मनमाने ढंग से 20 रुपये लेते हैं।-चंद्रमणि बाई। मैं कासगंज से कार सही कराने बौनेर चौराहे पर आया था। यहां से सराय रहमान तक ऑटो पार्ट्स लेने जाना है, लेकिन ई-बस नहीं मिल रही है। जिससे परेशान हूं। ऑटो में परेशानी होती है।-रणबीर सिंह।

बौनेर चौराहे पर खड़ा हूं। काफी देर तक ई-बस का इंतजार करना पड़ता है। ग्रीन कॉरिडोर के बस स्टॉप बहुत गंदे हैं। इनमें बैठा नहीं जा सकता है। बहुत धूल और मिट्टी उड़ रही है।-रोहित कुमार।

मुझे भी बौनेर चौराहे से रसलगंज तक जाना है, लेकिन ई-बस नहीं मिल रही है। ग्रीन कॉरिडोर बनाने के बाद भी मुसाफिरों की हालत वही है। जब तक जीटी रोड ठीक नहीं होता, समस्या रहती है।-मंसूर आलम।

ग्रीन कॉरिडोर बनाने के बाद से अब तक पुलिस या नगर निगम की टीम ने कभी नहीं रोका है। शहर में ऑटो और ई-रिक्शा की संख्या के अनुसार रूट और अन्य व्यवस्थाएं नहीं हो सकी हैं।-ताज मोहम्मद।

ग्रीन कॉरिडोर पर कोई रोकता नहीं है, लेकिन ऑटो और ई-रिक्शा वाले आखिर कहां जाएंगे। इस बारे में भी सोचना चाहिए। उनके बच्चे कैसे पलेंगे। यह भी प्रशासन को सोचना चाहिए।-इब्राहिम।

ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था नई है। अभी इसको व्यवस्थित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। अंदरूनी जीटी रोड चौड़ा किया जा रहा है। लोगों में यातायात के नियमों का पालन करने की आदत विकसित की जाएगी।-प्रेम प्रकाश मीणा, नगर आयुक्त।

शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास लगातार जारी हैं। ग्रीन कॉरिडोर पर काम किया जा रहा है। ऑटो और ई-रिक्शा को व्यवस्थित किया जा रहा है।-प्रवीण यादव, एसपी ट्रैफिक।

Aligarh News: गणपति उत्सव की धूम, घर-घर विराजे मंगलमूर्ति

गणेश चतुर्थी पर सुबह से ही शहर में गणपति बप्पा मोरया... मंगलमूर्ति मोरया के जयकारे गूंजते रहे। ढोल-नगाड़ों और बैंडबाजों के बीच श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिमाओं को लेकर पहुंचे और विधि-विधान से स्थापना की। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही घरों से लेकर मंदिरों और सार्वजनिक पंडालों तक पूजा-अर्चना, आरती और भजन-कीर्तन के आयोजन हुए। फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजे पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे।

अचलताल से सेंटर पॉइंट तक भक्ति का रंग :

सुबह होते ही अचलताल स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई। महंत विनय नाथ के नेतृत्व में भक्तों ने गणपति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में गणेशोत्सव को लेकर विशेष धार्मिक माहौल रहा। श्री गिलहराज मंदिर, श्री वार्ष्णेय मंदिर, टीकाराम मंदिर सेंटर पॉइंट और श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर रघुवीरपुरी में भी गणेश उत्सव को लेकर विशेष आयोजन किए गए हैं। यहां पूजा, आरती और भजन-कीर्तन के कार्यक्रम होंगे। खेरेश्वर मंदिर, अचलेश्वरधाम, सांगवान सिटी, मंगलेश्वर महादेव मंदिर सुदामापुरी, जयगंज स्थित नंदर भवन में गणेश उत्सव मनाया गया। अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन होगा।

घरों में सजे छोटे-छोटे पंडाल

शहर के मोहल्लों में इस बार घर-घर गणपति स्थापना को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। रामघाट रोड, आगरा रोड, रघुवीरपुरी, रावण टीला, सुरेंद्र नगर, निधिवन, सासनीगेट, बन्नादेवी, गांधीपार्क, महेंद्र नगर और क्वार्सी क्षेत्र में बड़ी संख्या में घरों में गणपति विराजमान किए गए। बच्चों में गणपति स्थापना को लेकर विशेष उत्साह रहा।

राम मंदिर: ट्रस्ट ने सीईओ चयन पर फैली खबरों को बताया गलत, जितेंद्र मिश्र के इंटरव्यू पर दिया बड़ा स्पष्टीकरण

राम मंदिर ट्रस्ट ने सीईओ चयन पर फैली खबरों को गलत बताया। साथ ही जितेंद्र मिश्र के इंटरव्यू पर स्पष्टीकरण दिया है। कहा कि 11 अगस्त की पहली पाली में चयन प्रक्रिया में वह शामिल हुए थे। 5,585 आवेदनों में से 16 अंतिम चरण के लिए चयनित हुए थे। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर कुछ मीडिया माध्यमों से प्रसारित हो रही जानकारी को गलत बताते हुए प्रक्रिया के तथ्य स्पष्ट किए हैं। ट्रस्ट के महासचिव स्वामी गोविंद देव गिरी की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र (सेवानिवृत्त) सीईओ चयन के लिए हुए साक्षात्कार में शामिल हुए थे। उन्होंने 11 अगस्त को पहली पाली में आमने-सामने की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। ट्रस्ट के अनुसार, सीईओ के चयन के लिए खोज समिति का गठन छह जुलाई 2026 को किया गया था।

समिति को कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की बहुस्तरीय जांच की गई। दिल्ली-एनसीआर, पुणे और संबलपुर में एआई आधारित स्क्रीनिंग के साथ मैनुअल विशेषज्ञ मूल्यांकन भी किया गया। इसके बाद 16 प्रत्याशियों को अंतिम चरण के लिए चुना गया।

जितेंद्र मिश्र भी प्रक्रिया का हिस्सा थे

इन 16 प्रत्याशियों की 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में आमने-सामने बातचीत और साक्षात्कार की प्रक्रिया हुई। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र भी इस प्रक्रिया का हिस्सा थे। उन्होंने 11 अगस्त को पहली पाली में साक्षात्कार दिया था। खोज समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट और अनुशंसाएं एक सितंबर को ट्रस्ट को सौंप दी थीं। इसमें तीन नामों की अनुशंसा की गई थी। इनमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र, संजय प्रताप सिंह विश्वास राव और श्रुति भारद्वाज शामिल थे। दो सितंबर को ट्रस्ट की ओर से मीडिया के समक्ष इन नामों की जानकारी दी गई। इसके बाद जितेंद्र मिश्र को मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाए जाने की घोषणा की गई। ट्रस्ट ने कहा कि जितेंद्र मिश्र के साक्षात्कार में शामिल नहीं होने संबंधी दावे तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। शीर्ष तीन अनुशंसित प्रत्याशियों में उनका शामिल होना उनकी भागीदारी, मूल्यांकन और योग्यता आधारित चयन की पुष्टि करता है। ट्रस्ट के मुताबिक, चयन प्रक्रिया का प्रत्येक चरण दस्तावेजीकृत था। अयोध्या में अंतिम चरण में शामिल सभी प्रत्याशियों की पहचान दर्ज की गई थी।

ट्रस्ट तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा

स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि ट्रस्ट संस्थागत शासन और पारदर्शिता के उच्च मानकों के अनुरूप चयन प्रक्रिया संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में प्रक्रिया को लेकर कोई सवाल उठता है तो ट्रस्ट तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा।

Aligarh News: पिटाई से घायल युवक ने तोड़ा दम, परिजनों ने हाईवे पर लगाया जाम

गांव मढ़ौला में दो दिन पहले मारपीट में घायल 28 वर्षीय युवक की सोमवार को मौत हो गई। परिजनों ने गांव के दो युवकों पर शराब पिलाकर पिटाई करने का आरोप लगाते हुए अलीगढ़-दिल्ली हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंचे एसएसपी समेत चार थानों की पुलिस ने परिजनों को समझाकर करीब 30 मिनट बाद जाम खुलवाया। गांव निवासी सत्यपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा पुष्पेंद्र दो दिन पहले गांव के ही सोनू और प्रवीन के साथ था। आरोप है कि दोनों ने उसे शराब पिलाकर पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सोमवार सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे कस्बे के निजी अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। पिता ने आरोप लगाया कि पिटाई के कारण ही पुष्पेंद्र की जान गई। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। मौत से गुस्साए परिजनों ने अलीगढ़-दिल्ली हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर शव रख दिया। रात करीब दस बजे तक जाम की स्थिति बनी रही और हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर थाना पुलिस के साथ एसएसपी नीरज जादौन, एसपी सिटी और चार थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। इसके बाद करीब 30 मिनट में जाम खुल गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सोनू और प्रवीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पोस्टमार्टम में बीमारी और कार्डियक अरेस्ट से मौतएसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि मामला दो दिन पुराना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह फेफड़ों की बीमारी और कार्डियक अरेस्ट बताई गई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

आया नगर में गैंगवार की आहट: प्लॉट के विवाद ने दोस्तों को बनाया दुश्मन, चली सैकड़ों गोलियां; हुई तीन हत्याएं

साकेत कोर्ट से लौटते अरुण पर बरसाई थीं गोलियां

15 मई 2025 को दीपक ने अपने साथियों के साथ अरुण लोहिया को निशाना बनाया। पुलिस के मुताबिक अरुण अपने पिता के साथ साकेत कोर्ट से लौट रहा था। महरौली मेट्रो स्टेशन के पास उसकी कार को रोककर हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अरुण को 10 से 12 गोलियां मारी गईं। उसके पिता भी कार में मौजूद थे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। जांच में सामने आया कि दूसरी कार से आए दीपक के साथ अजय ने सड़क पर वाहन लगाकर ट्रैफिक रोकने में भूमिका निभाई थी। पुलिस अब इस बिंदु की भी जांच कर रही है कि विजय कुमार की हत्या कहीं अजय को निशाना बनाने के लिए की गई बदले की कार्रवाई तो नहीं है।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक गोगी और टिल्लू कभी बेहद करीबी दोस्त थे। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में एक उम्मीदवार को समर्थन देने को लेकर दोनों में विवाद हुआ।दक्षिण दिल्ली के आया नगर गांव में एक प्लॉट पर कब्जे को लेकर शुरू हुआ विवाद अब खूनी दुश्मनी में बदल चुका है। कभी पड़ोसी और जिगरी दोस्त रहे अरुण लोहिया और दीपक के बीच पैदा हुई रंजिश में पिछले करीब एक साल में 100 से ज्यादा गोलियां चल चुकी हैं। दिनदहाड़े तीन हत्याएं हो चुकी हैं। अब जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस को आशंका है कि यह मामला कहीं जितेंद्र गोगी और टिल्लू ताजपुरिया के बीच हुई दुश्मनी की तरह लंबी गैंगवार का रूप न ले ले।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक गोगी और टिल्लू कभी बेहद करीबी दोस्त थे। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में एक उम्मीदवार को समर्थन देने को लेकर दोनों में विवाद हुआ। देखते ही देखते दोस्ती दुश्मनी में बदल गई और दोनों ने अपने-अपने गैंग खड़े कर लिए। इसके बाद शुरू हुई गैंगवार में अब तक 22 से 25 लोगों की जान जा चुकी है। सितंबर 2021 में टिल्लू के गुर्गों ने रोहिणी कोर्ट में जितेंद्र गोगी की हत्या कर दी थी। इसके करीब डेढ़ साल बाद मई 2023 में गोगी गैंग से जुड़े हमलावरों ने तिहाड़ जेल में टिल्लू ताजपुरिया की हत्या कर दी।

पड़ोसी से पार्टनर, फिर बने एक-दूसरे के दुश्मन

दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार अरुण लोहिया और दीपक आया नगर गांव के ही रहने वाले थे। दोनों पड़ोसी होने के साथ करीबी दोस्त थे और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम भी साझेदारी में करते थे। इसी दौरान आया नगर में एक प्लॉट पर कब्जे को लेकर दोनों में विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और दोस्ती ने दुश्मनी का रूप ले लिया। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2024 में अरुण ने अपने साथियों के साथ दीपक पर हमला किया था। इस हमले में दीपक के हाथ-पैर टूट गए थे और उसे कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। मामले में अरुण के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज हुआ और उसे गिरफ्तार किया गया।

इलाके में तनाव, अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात

फायरिंग के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल के साथ एसएसबी की तैनाती की गई है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जांच में शामिल किया है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस हत्या के पीछे के वास्तविक कारण और हमलावरों के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

दीपक के पिता रतनलाल बने निशाना

अरुण की हत्या के बाद बदले का अगला निशाना दीपक के पिता रतनलाल बने। नवंबर 2025 में आया नगर में रतनलाल पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने करीब 72 राउंड फायर किए। रतनलाल ने निजी बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी, लेकिन इसके बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। इस वारदात से पहले रतनलाल ने अपनी जान को खतरा बताते हुए फतेहपुरबेरी थाने में शिकायत भी दी थी। उन्होंने पुलिस को आशंका जताई थी कि उनकी हत्या की जा सकती है।

अब जिम ट्रेनर की हत्या ने जोड़ी नई कड़ी

ताजा वारदात में मारा गया 28 वर्षीय जिम ट्रेनर विजय कुमार, अजय का भाई था। पुलिस के अनुसार अरुण लोहिया की हत्या में अजय की भूमिका सामने आई थी। उसने हमलावरों के लिए ट्रैफिक रोकने में मदद की थी। अब विजय की हत्या के बाद पुलिस इस वारदात को उसी बदले की कड़ी मानकर जांच कर रही है।

राम मंदिर में नई लक्ष्मण रेखा: कर्मियों पर सख्ती, अंदर की बात बाहर गई तो कार्रवाई तय; पुजारियों पर भी शिकंजा

राम मंदिर की व्यवस्था में बदलाव हो गए हैं। राम मंदिर के कर्मचारियों पर सख्ती बढ़ गई है। अंदर की बात बाहर आने पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके साथ ही फैसले और व्यवस्थाओं की जानकारी साझा करने पर रोक लग गई है। मंदिर में पुजारी मोबाइल का भी इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। नियम तोड़ने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है।

राम मंदिर परिसर में अब आंतरिक सूचनाओं के लीक होने पर पूरी तरह अंकुश लगाने की तैयारी है। मंदिर की व्यवस्था में बदलाव के साथ ट्रस्ट ने कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों और पुजारियों तक को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परिसर के भीतर होने वाली गतिविधियों, व्यवस्थाओं और निर्णयों की जानकारी अनधिकृत रूप से बाहर नहीं जानी चाहिए।

इसे लेकर अब मंदिर प्रशासन का रुख पहले से कहीं ज्यादा सख्त नजर आ रहा है। ट्रस्ट की ओर से नई व्यवस्था में सूचना की गोपनीयता को प्राथमिकता दी गई है।परिसर में तैनात कर्मचारियों को साफ तौर पर हिदायत दी गई है कि मंदिर के भीतर क्या हो रहा है, कौन सा निर्णय लिया गया, किस स्तर पर क्या व्यवस्था चल रही है या प्रशासनिक स्तर पर क्या बदलाव किए जा रहे हैं, इसकी जानकारी बाहर साझा न की जाए।

खासतौर पर ऐसी सूचनाएं जो मंदिर की आंतरिक व्यवस्था से जुड़ी हैं, उन्हें सार्वजनिक करने से बचने को कहा गया है। नई व्यवस्था के बाद राम मंदिर परिसर में 'जो अंदर है, वह बाहर नहीं जाएगा' के सिद्धांत पर निगरानी और अनुशासन को मजबूत किया जा रहा है।नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र को भी ट्रस्ट की ओर से परिसर की आंतरिक गतिविधियों की गोपनीयता बनाए रखने के संबंध में निर्देश दिए जा चुके हैं। सीईओ ने भी कार्यभार संभालने के बाद मंदिर से जुड़े कर्मचारियों को अनधिकृत रूप से सूचना साझा नहीं करने और व्यवस्था की गोपनीयता बनाए रखने की नसीहत दी है।

सपा-कांग्रेस में सीट शेयरिंग पर कशमकश: इन 111 सीटों पर खुद ही लड़ेगी समाजवादी पार्टी; 'हाथ' के लिए ये है प्लान

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर गुत्थी सुलझ नहीं पा रही है। सीटों को लेकर दोनों दलों में कशमकश चल रही है। दोनों दलों के सामने वोटरों का मूड बनाए रखने की चुनौती है। सपा-कांग्रेस गठबंधन के सामने चुनौती यह है कि 2024 में पीडीए की बिसात पर मिली कामयाबी इस बार कैसे दोहराई जाए।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस जहां सीटें तय किए जाने की जल्दी में हैं, वहीं सपा अभी जमीनी हकीकत का जायजा लेते चलते सीट निर्धारण के फार्मूले पर सहमति अभी तक नहीं बन पा रही है। असल में सपा व कांग्रेस दोनों ने चुनाव से पहले आंतरिक सर्वे कराए हैं और इसमें सपा को 2022 के चुनाव के नतीजों से काफी ज्यादा सीटें मिलती दिखाई गई हैं, लेकिन बहुमत से दूरी है।जा लेने में और वक्त लगा रही है। उसका जोर जीतने की क्षमता पर है तो कांग्रेस अपनी बढ़ती ताकत का हवाला दे रही है। जबकि कांग्रेस ने 100 से ज्यादा सीटें जीतने योग्य मानी हैं। दोनों ने एक दूसरे को इसके बारे में बता दिया है। कांग्रेस अब 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर तो सीटें मांग रही है, साथ ही उसकी निगाह राज्य के हर जिले से कम से कम एक सीट लड़ने की है ताकि सब जगह उसकी मौजूदगी दिखे।
यही नहीं वह अब यूपी में छोटे भाई के रोल से अधिक अहमियत चाहती है, इसे सपा के लिए स्वीकार करना खासा मुश्किल है। दोनों यह मान रहे हैं कि सपा-कांग्रेस के मौजूदा आधार में कांग्रेस अतिरिक्त वोटरों को जोड़ दे तो बात बन सकती है।

बदलाव: गलत खाते में नहीं जाएगा सरकारी योजनाओं का पैसा, एसएनए स्पर्श में नई व्यवस्था लागू; जानें विस्तार से

सरकारी योजनाओं का पैसा गलत बैंक खाते में मैप होकर भटकने से रोकने के लिए एसएनए स्पर्श में नई व्यवस्था लागू की गई है। अब गलत राज्य सरकार अकाउंट की मैपिंग मिलने पर उसे डीएक्टिवेट किया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर पहले से मंजूर स्कीम कॉन्फिगरेशन को रिजेक्ट करने का भी प्रावधान है। नई योजनाओं में डीबीटी और थर्ड पार्टी फंडिंग की जानकारी देना अनिवार्य होगा। थर्ड पार्टी फंडिंग होने पर उसके प्रतिशत योगदान का विवरण भी दर्ज करना होगा।

गलत अकाउंट मैपिंग मिली तो सीधे डी-एक्टिवेट

एसओपी में सबसे अहम प्रावधान राज्य सरकार के खाते की मैपिंग को लेकर है। यदि किसी योजना में स्वीकृत राज्य सरकार अकाउंट की मैपिंग गलत पाई जाती है, तो संबंधित मैपिंग को डी-एक्टिवेट किया जा सकेगा। इसी तरह आवश्यक होने पर पहले से मंजूर स्कीम कॉन्फिगरेशन को रिजेक्ट करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा सकेगी। इससे योजना के लिए स्वीकृत खाते, फंडिंग पैटर्न और भुगतान व्यवस्था का रिकॉर्ड ज्यादा स्पष्ट रहेगा। खासकर डीबीटी वाली योजनाओं में लाभार्थियों तक पैसा पहुंचाने की प्रक्रिया में गलत मैपिंग की आशंका कम होगी।

सरकारी योजनाओं का पैसा अब गलत खाते में मैप होकर भटक नहीं सकेगा। योजनाओं के फंड फ्लो में गड़बड़ी और खाते की गलत मैपिंग पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एसएनए स्पर्श में नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब किसी योजना के लिए गलत राज्य सरकार अकाउंट मैप होने पर उसे डीएक्टिवेट किया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर पहले से मंजूर स्कीम कॉन्फिगरेशन को रिजेक्ट करने का भी प्रावधान किया गया है। हिमाचल सरकार ने भी इस नई व्यवस्था को लेकर सभी प्रशासनिक सचिवों को पत्र जारी कर दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के महालेखा नियंत्रक कार्यालय ने इस संबंध में नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी किया है। इसमें स्टेट स्कीम मैनेजर (एसएसएम) और पीडी चैकर की जिम्मेदारियों के साथ पूरी प्रक्रिया तय की गई है। नई व्यवस्था का मकसद योजनाओं के पैसे के प्रवाह, भुगतान और बैंक खाते की मैपिंग में होने वाली गलतियों को कम करना है। एसएनए स्पर्श में अब किसी नई योजना का कॉन्फिगरेशन करते समय यह स्पष्ट करना अनिवार्य होगा कि उसमें डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) लागू है या नहीं। साथ ही यह भी बताना होगा कि योजना में थर्ड पार्टी फंडिंग है या नहीं। यदि थर्ड पार्टी फंडिंग है तो उसका प्रतिशत योगदान भी दर्ज करना होगा।नई व्यवस्था केवल नई योजनाओं तक सीमित नहीं रहेगी। पहले से मंजूर योजनाओं में भी एसएसएम को नए जोड़े गए डीबीटी और थर्ड पार्टी फंडिंग वाले फील्ड में जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके लिए पीडी चैकर से दोबारा मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। जानकारी अपडेट होने के बाद योजना का स्टेटस अप्रूवड ही रहेगा।

सऊदी अरब में हूती हमलों से हड़कंप: जेद्दा, अबहा समेत छह शहरों में अलर्ट; तेल पाइपलाइन बंद होने से बढ़ा संकट

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते संघर्ष ने सुरक्षा के साथ-साथ वैश्विक तेल आपूर्ति की चिंता भी बढ़ा दी है। सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद नागरिकों के लिए अलर्ट जारी करना पड़ा, जबकि ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन को नुकसान पहुंचने से निर्यात प्रभावित होने का खतरा है। लाल सागर के रणनीतिक द्वीपों पर हूतियों का कब्जा और यमन में बढ़ती हिंसा ने क्षेत्रीय संकट को और गंभीर बना दिया है। सऊदी अरब में यमन के हूती विद्रोहियों के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच कई शहरों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। सऊदी नागरिक सुरक्षा विभाग ने ताइफ, जेद्दा, अबहा, अल-उला, जाज़ान और यानबू के लिए चेतावनी जारी करते हुए लोगों से शांत रहने, आधिकारिक निर्देशों का पालन करने और नजदीकी सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की थी। सोमवार को हूती हमलों में 13 लोग घायल हुए और कई घरों तथा वाहनों को नुकसान पहुंचा। हूतियों ने दक्षिणी सऊदी अरब के खमीस मुशैत स्थित किंग खालिद एयर बेस पर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन दागने का दावा किया, जबकि सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि हमलों का असर नागरिक इलाकों पर भी पड़ा।

एयरबेस पर हमले का दावा, 13 नागरिक घायल

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी के मुताबिक, हमलों में खमीस मुशैत के किंग खालिद एयर बेस पर विमान हैंगर, रडार सिस्टम, रनवे और गोला-बारूद के डिपो को निशाना बनाया गया। हालांकि, सऊदी सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मल्की ने एयरबेस को हुए नुकसान की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि सोमवार को खमीस मुशैत, अबहा और ताइफ में नागरिक ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया, जिसमें 13 नागरिकों को मामूली से मध्यम चोटें आईं। सात घरों और दो वाहनों के क्षतिग्रस्त होने की भी जानकारी दी गई।

लाल सागर के द्वीपों पर हूतियों का कब्जा

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए ग्रेटर हनिश और लेसर हनिश द्वीपों पर कब्जा कर लिया है। ये द्वीप बाब अल-मंदेब जलसमरूमध्य से करीब 160 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैं। बाब अल-मंदेब लाल सागर को खुले समुद्र से जोड़ने वाला बेहद अहम समुद्री मार्ग है। हूतियों की इस बढ़त से उन्हें जिबूती में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे के करीब पहुंचने का रणनीतिक लाभ भी मिला है। इससे पहले विद्रोहियों ने मोखा बंदरगाह शहर और मायून द्वीप पर भी नियंत्रण स्थापित किया था।

सऊदी की अहम तेल पाइपलाइन पर बड़ा असर

क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त हुई सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन को पूरी क्षमता से बहाल होने में तीन से पांच सप्ताह लग सकते हैं। यह पाइपलाइन करीब 1,200 किलोमीटर लंबी है और सऊदी अरब के पूर्वी हिस्से से कच्चे तेल को लाल सागर स्थित यानबू बंदरगाह तक पहुंचाती है। वहां से तेल को टैंकरों के जरिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजा जाता है। अधिकारियों का कहना है कि मरम्मत के दौरान पाइपलाइन आंशिक रूप से चालू रह सकती है, लेकिन इसकी वास्तविक क्षमता कितनी होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। सऊदी अरब ने इस हमले के लिए इराक में सक्रिय ईरान समर्थित मिलिशिया के ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया है।

तेल की कीमतों पर बढ़ा दबाव

रिस्टैड एनर्जी के अनुसार, अगस्त के अंत से ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए प्रतिदिन औसतन 26 लाख से 40 लाख बैरल तेल भेजा जा रहा था। यदि इसका संचालन पूरी तरह रुकता है तो वैश्विक बाजार में इतनी बड़ी मात्रा में तेल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। पाइपलाइन पर हमले की खबर के बाद तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और ब्रेंट क्रूड 109 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। विश्लेषकों का मानना है कि लंबे समय तक पाइपलाइन बंद रहने पर सऊदी अरब को तेल की आपूर्ति के वैकल्पिक रास्तों पर अधिक निर्भर होना पड़ेगा, जिससे परिवहन लागत और डिलीवरी का समय दोनों बढ़ सकते हैं।

होर्मुज और बाब अल-मंदेब से दोहरी चुनौती

सऊदी अरब पहले ही ईरान के साथ बढ़े तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल निर्यात में बाधाओं का सामना कर रहा है। इसके बाद बाब अल-मंदेब क्षेत्र में हूती हमलों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। रिस्टैड एनर्जी के मुताबिक, जुलाई के अंत में बाब अल-मंदेब में हमले शुरू होने के बाद यानबू से जाने वाले कई टैंकरों ने लाल सागर के रास्ते उत्तर की ओर रुख किया और स्वेज नहर या मिस्र की पाइपलाइन के जरिए अपने गंतव्य तक पहुंचने लगे। इससे एशियाई ग्राहकों तक सऊदी तेल पहुंचाने में समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, युद्ध के कारण सऊदी अरब का तेल उत्पादन अगस्त में घटकर करीब 60 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पिछले साल सितंबर में यह लगभग एक करोड़ बैरल प्रतिदिन था।

यमन में फिर गहराता गृहयुद्ध का खतरा

यमन में भी हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। 2022 के बाद से अपेक्षाकृत शांत रहे देश में हूती विद्रोहियों और सरकार समर्थित बलों के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अकेले पिछले सप्ताह यमन में 500 से अधिक लोगों की मौत हुई, जबकि उससे पहले के सप्ताह में यह संख्या करीब 200 थी। हूतियों ने तटीय इलाकों के साथ-साथ ताइज़ प्रांत में भी अपने हमले तेज कर दिए हैं और उन क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं जो पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के नियंत्रण में थे। संघर्ष के कारण करीब 94,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। ऐसे में सऊदी अरब पर हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमले, लाल सागर में बढ़ता सैन्य दबाव और तेल ढांचे को नुकसान पूरे क्षेत्र के साथ-साथ वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

मदीना में मिला 11 करोड़ टन यूरेनियम भंडार: सऊदी अरब के दावे से हलचल, क्या पूरा होने जा रहा एमबीएस का सपना?

सऊदी अरब ने मदीना में यूरेनियम और अन्य दुर्लभ मृदा तत्वों से युक्त करीब 110 मिलियन टन कच्चे अयस्क के भंडार मिलने का दावा किया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब पूरा मध्य पूर्व क्षेत्र तनाव और सैन्य संघर्ष की चपेट में है। सऊदी अरब ने मदीना के जबल सईद क्षेत्र में करीब 110 मिलियन टन अयस्क संसाधन मिलने का दावा किया है, जिसमें भारी दुर्लभ मृदा तत्वों के साथ यूरेनियम की भी उत्साहजनक मात्रा बताई गई है। सोमवार को सामने आई मीडिया रिपोर्टों में सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के हवाले से यह जानकारी दी गई। यह खोज सऊदी अरब की विजन 2030 के तहत ऊर्जा और खनिज संसाधनों में विविधता लाने की कोशिश तथा अमेरिका के साथ उसके नागरिक परमाणु सहयोग के बीच सामने आई है। क्षेत्रीय स्तर पर ईरान के साथ तनाव के बीच यह खोज सऊदी अरब के ऊर्जा और रणनीतिक महत्व को और बढ़ा सकती है।

मदीना में मिले 110 मिलियन टन अयस्क में यूरेनियम की मौजूदगी

सऊदी ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, मदीना के जबल सईद परियोजना में किए गए खनन और भूगर्भीय अध्ययनों से करीब 110 मिलियन टन अयस्क के संसाधनों का अनुमान सामने आया है। इस अयस्क में दुर्लभ मृदा खनिजों, खासकर भारी तत्वों की मात्रा अधिक पाई गई है। इसके साथ ही इसमें यूरेनियम की भी उत्साहजनक मात्रा मौजूद होने के संकेत मिले हैं। अरब न्यूज ने प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के हवाले से बताया कि जबल सईद परियोजना में हुई खोज और भूगर्भीय अध्ययन से इन संसाधनों का पता चला है। यूरेनियम की मौजूदगी वाला यह भंडार सऊदी अरब के लिए ऊर्जा और खनिज क्षेत्र में रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

इस्लाम के दो पवित्र शहरों में से एक है मदीना

यूरेनियम की खोज की यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब सऊदी अरब में क्षेत्रीय तनाव बढ़ा हुआ है। सऊदी अरब इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों—मक्का और मदीना—का घर है। इस्लामी इतिहास में मदीना का विशेष महत्व है। पैगंबर मुहम्मद ने 622 ईस्वी में मक्का से मदीना की हिजरत की थी और इसके बाद मदीना इस्लाम के शुरुआती और महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हुआ।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब पर नजर

सऊदी अरब पर ईरान की ओर से उसके यहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने होने को लेकर निशाना साधे जाने की स्थिति रही है। दूसरी ओर, यमन में सक्रिय और फिर से मजबूत हो रहे हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब की समुद्री पहुंच के लिए भी चुनौती पैदा की है। मध्य पूर्व में जारी युद्ध की पृष्ठभूमि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद से जुड़ी है। अमेरिका और इजरायल का आरोप रहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में है। वहीं, तेहरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

सुन्नी सऊदी अरब और शिया ईरान के बीच शक्ति संतुलन

सऊदी अरब को मध्य पूर्व में सुन्नी शक्ति का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जबकि ईरान शिया शक्ति का बड़ा केंद्र है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से क्षेत्रीय प्रभाव और रणनीतिक वर्चस्व को लेकर प्रतिस्पर्धा रही है। ऐसे में सऊदी अरब के लिए अपने ऊर्जा और खनिज संसाधनों को मजबूत करना आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा संसाधनों में विविधता लाने की कोशिश

सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी अरब अर्थव्यवस्था है और पिछले कुछ वर्षों में उसने अपनी अर्थव्यवस्था को पारंपरिक तेल क्षेत्र पर निर्भरता से बाहर निकालने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। किंगडम ऊर्जा और खनिज संसाधनों में विविधता लाने के साथ-साथ घरेलू स्तर पर यूरेनियम के निष्कर्षण और नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को भी आगे बढ़ा रहा है। यह प्रयास सऊदी अरब की महत्वाकांक्षी 'विजन 2030' योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में विविधता लाना तथा तेल पर निर्भरता कम करना है।

अमेरिका के साथ परमाणु समझौते के बाद खोज का महत्व बढ़ा

प्राकृतिक अयस्क में यूरेनियम की मौजूदगी की यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले अमेरिका और सऊदी अरब के बीच नागरिक परमाणु कार्यक्रम विकसित करने को लेकर समझौता हुआ था। दोनों देशों ने जुलाई में इस समझौते के साथ एक द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को एक ऐसे 'दशकों लंबे, अरबों डॉलर के साझेदारी कार्यक्रम' की नींव के रूप में देखा गया, जिसके तहत अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब के नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विकास में मदद करेंगी।

सऊदी अरब को अपने यहां यूरेनियम संवर्धन का विकल्प

समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके तहत सऊदी अरब को अपनी जमीन पर यूरेनियम संवर्धन करने का विकल्प भी मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रक्रिया के लिए अमेरिकी निगरानी की बाध्यता नहीं होगी। ऐसे में मदीना क्षेत्र में यूरेनियम युक्त अयस्क के बड़े संसाधनों का सामने आना सऊदी अरब की परमाणु ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं के संदर्भ में खासा महत्वपूर्ण हो सकता है। साथ ही, दुर्लभ मृदा तत्वों की मौजूदगी सऊदी अरब के लिए खनिज क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकती है।

'डर ना फैलाएं': एआई की रफ्तार रोकने पर चीन का दो टूक जवाब, कहा- सुरक्षा जरूरी लेकिन विकास भी

एआई के बढ़ते खतरे को लेकर दुनिया में बहस तेज हो गई है। एंथ्रोपिक के सीईओ ने विकास की रफ्तार घटाने का सुझाव दिया, जिसका चीन ने विरोध किया। वहीं, अमेरिका विकास धीमा करने के खिलाफ है। आईए जानते हैं इस मुद्दे पर ब्रिटेन और जर्मनी का क्या रुख है। एआई से मानवता को खतरे को लेकर टेक दिग्गजों की ओर जताई गई चिंता अब दुनियाभर में एक बड़ी बहस का रूप लेती जा रही है। कोई खतरों को ज्यादा गंभीर नहीं मान रहा तो कोई सुरक्षा उपाय मजबूत करने पर जोर दे रहा है। एआई के संभावित खतरों को देखते हुए इसकी विकास गति घटाने के लिए एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के सुझाव पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई है। चीन का कहना है कि एआई के खतरे के नाम पर डर फैलाना और विकास की रफ्तार रोकना सही नहीं है। वह एआई सुरक्षा नियम लागू करने के पक्ष में तो है लेकिन बिना एआई के तेज विकास को रोके।

चीन ने क्या कहा?

अमोदेई के लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी पक्षों को सुरक्षा के मुद्दे पर मिलकर काम करना चाहिए। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को कहा, डर फैलाना, टकराव बढ़ाना वैश्विक एआई नियमन की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाएगा, जिससे किसी का भला नहीं होने वाला। एआई की होड़ में पीछे न रहने का संकेत देने वाला चीन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, अगर हमने एआई के विकास की गति धीमी की तो चीन से बहुत पीछे रह जाएंगे। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने चीन पर चिप प्रतिबंध जारी रखने के अमोदेई के सुझाव को एआई क्षेत्र में शीत युद्ध का हिस्सा बताया है। उसका कहना है कि दरअसल इसके पीछे अमेरिका का उद्देश्य एआई तकनीक पर अपना एकाधिकार जमाना है। एजेंसी

ट्रंप-शी मुलाकात में एआई नियमन पर चर्चा के आसार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की सितंबर के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक में एआई के नियमन जैसे मुद्दों पर चर्चा संभव है। जिनपिंग ने चीन को ओपन-सोर्स एआई अगुआ के तौर पर पेश किया है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि एआई की रफ्तार रोकने की कोशिश घिनौनी साजिश है। खुद को बेलगाम एआई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा कवच करार देते हुए ट्रंप ने कहा, अमेरिका के पास स्मार्ट राष्ट्रपति है।

इंसानों का नियंत्रण बनाए रखने की कवायद जारी

चीन के एआई डेवलपर्स ओपन-वेट मॉडलों को बढ़ावा दे रहे हैं। उनका तर्क है कि साइबर सुरक्षा टीमें रक्षात्मक काम के लिए इन मॉडलों की जांच, बदलाव और इस्तेमाल आसानी से कर सकती हैं। मई में साइबरस्पेस नियामक ने डेवलपर्स के लिए एआई एजेंट का अनुचित व्यवहार पहचानने, उसे रोकने, उसमें हस्तक्षेप करने और स्थिति को संभालने की अपनी क्षमता में सुधार करने को कहा था।

एआई से कम्युनिस्ट राज को खतरा : चीनी खुफिया प्रमुख

चीन के सुरक्षा मंत्रालय के प्रमुख चेन यिक्सिन ने आगाह किया है कि एआई चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता पर पकड़ के लिए सीधा खतरा पैदा कर सकता है। चाइना साइबरस्पेस पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में चेन ने एआई पर पार्टी के अधिक नियंत्रण का आह्वान किया। उन्होंने कहा, देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने, विरोधी ताकतों के सोचे-समझे साइबर हमलों और भ्रामक प्रचार से निपटने और अमेरिका जैसे देशों के साथ सैन्य मुकाबले के लिए यह बेहद जरूरी है।

विकास की रफ्तार रोकना कोई विकल्प नहीं : जर्मनी

जर्मनी के डिजिटल मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि यूरोप के लिए एआई के विकास को रोकना कोई व्यावहारिक या सही विकल्प नहीं है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, हम विकास को पूरी तरह रोकने को यूरोप के लिए सही कदम नहीं मानते। यूरोप की डिजिटल संप्रभुता को मजबूत करने के लिए एआई के विकास और नए नवाचारों को लगातार आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है।

चर्चा ठीक, फैसले सबूत के आधार पर हों : ब्रिटेन

ब्रिटिश पीएम एंडी बर्नहैम ने एआई से मानवता को खतरों पर टेक कंपनियों के बीच चर्चा का स्वागत किया है। बर्नमैन का मानना है कि सरकार के नीतिगत फैसले हवा-हवाई दावों के बजाय पुख्ता सबूतों पर आधारित होने चाहिए। उनके प्रवक्ता ने सोमवार को कहा, यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि एआई की क्षमताओं के विकसित होने के साथ मौजूदा नियम-कानून हमेशा काफी रहेंगे।

किंग चार्ल्स ने टेक दिग्गजों की बैठक बुलाई

एआई के सुरक्षा खतरों को लेकर बढ़ी चिंता के बीच ब्रिटेन के किंग चार्ल्स इस सप्ताह स्कॉटलैंड में प्रमुख टेक कंपनियों के संस्थापकों और शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक करने वाले हैं। ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस तकनीक का उपयोग भलाई के लिए कैसे किया जा सकता है। बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बैठक के लिए एनवीडिया, गूगल डीपमाइंड, ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों के प्रमुखों को आमंत्रित किया जा रहा है।

टाटा संस के मामले में आरबीआई का बड़ा कदम: बंबई हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल कर की यह बड़ी अपील, जानिए पूरा मामला

भारतीय रिजर्व बैंक ने टाटा संस का एनबीएफसी लाइसेंस सरेंडर करने का आवेदन खारिज कर दिया है। अब कंपनी को तुरंत सार्वजनिक सूचीबद्धता की तैयारी करनी होगी। आरबीआई ने मुंबई उच्च न्यायालय में कैविएट याचिका भी दायर की है।आरबीआई ने बंबई उच्च न्यायालय में एक कैविएट याचिका दायर की है। यह याचिका टाटा संस की अनिवार्य सूचीबद्धता से संबंधित मामले में दायर की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अदालत द्वारा कोई भी आदेश पारित करने से पहले आरबीआई को सुना जाए। ईटी ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।

आरबीआई ने कहा है कि यदि कोई याचिकाकर्ता इस मामले में अदालत का रुख करता है, तो आरबीआई अपना पक्ष रख पाएगा। कई सूत्रों ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। आरबीआई ने टाटा संस के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सूचित किया है कि उनका लाइसेंस सरेंडर करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस का गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस सरेंडर करने का आवेदन खारिज कर दिया है। इकोनॉमिक टाइम्स की खबर के अनुसार, केंद्रीय बैंक ने कंपनी को तुरंत सार्वजनिक सूचीबद्धता की तैयारी करने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम टाटा समूह के हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण है।आरबीआई ने टाटा संस के एनबीएफसी लाइसेंस को सरेंडर करने के आवेदन को अस्वीकार कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि कंपनी को तत्काल सार्वजनिक सूचीबद्धता के लिए तैयार रहना चाहिए। यह निर्णय टाटा समूह के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। आरबीआई चाहता है कि टाटा संस एक सूचीबद्ध इकाई के रूप में काम करे।

इस फैसले के क्या निहितार्थ हैं?

आरबीआई के इस कदम से टाटा समूह के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। सार्वजनिक सूचीबद्धता से कंपनी में अधिक पारदर्शिता आएगी। यह निर्णय टाटा संस के लिए नियामक अनुपालन को और मजबूत करेगा। टाटा संस को अब अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

ओरेकल में फिर शुरू हुई छंटनी: कर्मचारियों को सुबह छह बजे मिला ईमेल, 21 हजार कर्मचारियों पर पहले ही गिरी गाज

ओरेकल में एक बार फिर छंटनी शुरू हो गई है। कर्मचारियों को सुबह ईमेल भेजकर पद खत्म होने की जानकारी दी गई। कंपनी ने संख्या नहीं बताई है। खास बात यह है कि वित्त वर्ष 2026 में ओरेकल के कर्मचारियों की संख्या करीब 21 हजार घट चुकी है। आईए जानते हैं कि इस छंटनी की क्या वजह है?बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओरेकल ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। प्रभावित कर्मचारियों को सुबह-सुबह ईमेल मिले, जिनमें उन्हें बताया गया कि बड़े संगठनात्मक बदलाव के तहत उनके पद खत्म कर दिए गए हैं।

छंटनी की वजह क्या रही?

इंटरनल नोटिफिकेशन के मुताबिक, कर्मचारियों को बताया गया कि 'बड़े संगठनात्मक बदलाव' के तहत उनकी भूमिकाएं खत्म कर दी गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस दिन यह नोटिफिकेशन मिला, वही उनका आखिरी वर्किंग डे भी था।

ओरेकल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर कितना खर्च कर रहा?

ओरेकल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कैपिटल एक्सपेंडिचर (पूंजीगत खर्च) के तौर पर 28.5 अरब डॉलर खर्च किए। यह रकम एक साल पहले इसी अवधि में किए गए 8.5 अरब डॉलर से तीन गुना से भी ज्यादा है। कंपनी ने डेटा केंद्रों और एआई बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने के लिए अपने पूरे वर्ष के पूंजीगत खर्च के पूर्वानुमान को 90 अरब डॉलर से 95 अरब डॉलर के बीच बरकरार रखा है।ओरेकल की एआई क्लाउड सेवाओं की मांग में भी तेजी आई है। कंपनी ने बताया कि उसने तिमाही के दौरान 30 अरब डॉलर से ज्यादा के अतिरिक्त एआई क्लाउड कॉन्ट्रैक्ट साइन किए, जिससे उसकी कुल बची हुई

कब हुई यह कटौती?

नौकरियों में कटौती का यह नया दौर सोमवार को शुरू हुआ। प्रभावित कर्मचारियों ने लिंक्डइन, रेडिट और ब्लाइंड जैसे प्लेटफॉर्म पर अपनी छंटनी की खबर साझा की। ओरेकल ने इस नई छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है।

ईमेल में क्या लिखा था?

उस ईमेल में लिखा था, 'आपके कंप्यूटर, ईमेल, वॉइसमेल और फाइलों का एक्सेस जल्द ही बंद कर दिया जाएगा और आप अपने कंप्यूटर में लॉग इन नहीं कर पाएंगे। याद दिला दें कि आपको कोई भी जानकारी डाउनलोड, कॉपी या अपने पास रखने की मनाही है।'ओरेकल के लिए ये नई कटौतियां ऐसे समय में हुई हैं जब वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने डेटा-सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है।

क्या ओरेकल ने पहले भी किया है छंटनी?

हाल ही में हुई छंटनी, ओरेकल द्वारा वित्तीय वर्ष 2026 में की गई बहुत बड़ी छंटनी के बाद हुई है। ओरेकल के ग्लोबल वर्कफोर्स में लगभग 21,000 कर्मचारियों या 13% की कमी आई। कंपनी की सालाना फाइलिंग के अनुसार, इस अवधि के आखिर में कंपनी के पास लगभग 141,000 कर्मचारी थे, जबकि एक साल पहले यह संख्या लगभग 162,000 थी।ओरेकल ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान पुनर्गठन से जुड़े छंटनी और अन्य निकास लागतों पर लगभग 1.84 बिलियन डॉलर खर्च किए, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 374 मिलियन डॉलर थी। कंपनी ने पहले कहा था कि उसके कर्मचारियों की संख्या में कमी का कुछ हिस्सा उसके संचालन में एआई को अपनाने और लागू करने से जुड़ा था।

डिजिटल पेमेंट: सरकार का बड़ा एलान- ₹2000 तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा; किन यूजर्स को फायदा?

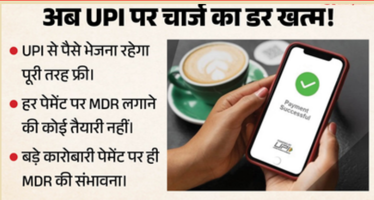

डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की पहल के तहत सरकार ने बड़ा एलान किया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक 2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से 'इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम' के रूप में अधिसूचित किया गया है।गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने शुल्क नहीं लेने का फैसला लेते हुए कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यदि भविष्य में एमडीआर लागू किया भी जाता है, तो वह केवल कुछ विशेष श्रेणी के व्यापारी लेनदेन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि वाले भुगतानों पर और बेहद मामूली दर पर ही लागू होगा।डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

किस कानून के तहत फैसला लिया गया?

अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता। सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं, सरकार ने दूर किया भ्रम

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है। पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे।

उद्योग-अर्थ जगत: त्योहारों पर 100 से अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी, किन राज्यों को लाभ मिलने के आसार?

भारतीय रेल ने आगामी त्योहारी सीजन की भीड़ को देखते हुए 100 विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें बिहार, प. बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कई व्यस्त रूटों पर चलाई जाएंगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, दुर्गापूजा, दिवाली व छठ के दौरान नई ट्रेनें चलाने के अलावा नियमित ट्रेनों में भी अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे ताकि यात्रियों को आसानी से आरक्षित सीटें मिल सके। साथ ही ऑनलाइन टिकट बुकिंग साइटों के सर्वर भी मजबूत किए गए हैं ताकि यात्रियों को आसानी से टिकट बुकिंग सुविधा मिल सके।चौथे दिन भी चीनी का भाव 60 से कम

देशभर में चीनी की औसत खुदरा कीमत लगातार चौथे दिन 60 रुपये प्रति किलोग्राम से कम रही। हालांकि, त्योहारों से जुड़ी मांग के कारण कुछ क्षेत्रों में कीमतों पर बढ़ने का दबाव बना हुआ है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, चीनी की औसत खुदरा कीमत सोमवार को 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो एक दिन पहले 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम थी। शुक्रवार को चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई थी

पुरानी ट्रेनें भी 160 की स्पीड से दौड़ेंगी

भारतीय रेलवे यात्री ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत 6,000 हॉर्सपावर के नए और कम ऊर्जा खपत वाले इंजन खरीदे जाएंगे। इन्हें ट्रेन के आगे और पीछे लगाया जाएगा। दोनों इंजन मिलकर 12,000 हॉर्सपावर की ताकत देंगे। इससे ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे दौड़ सकेगी।

ओम्निया होल्डिंग्स को खरीदेगी सोलर इंडस्ट्रीज

सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया ने करीब 1.355 अरब डॉलर (12,951 करोड़ रुपये) के पूर्ण नकद सौदे में दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ओम्निया होल्डिंग्स लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। सोलर इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सोलर एसए इन्वेस्टमेंट्स प्रोपराइटरी ने कहा कि उसने अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके तहत सोलर एसए इन्वेस्टमेंट्स प्रोपराइटरी लिमिटेड (सोलर एसए) पूर्ण नकद सौदे में ओम्निया के सभी बकाया शेयर का अधिग्रहण करेगी।

सर्राफा बाजार: कच्चे तेल में उछाल और डॉलर की मजबूती से सोना 500 रुपये फिसला; चांदी स्थिर

14 सितंबर 2026 को दिल्ली में सोना 500 रुपये गिरकर 1,55,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा। कच्चे तेल में उछाल, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर वृद्धि ने सोने पर दबाव डाला। चांदी स्थिर रही। जानें वैश्विक बाजार का हाल और निवेश मांग के कारक।दिल्ली में सोमवार को सोने की चमक फीकी पड़ गई। गणेश चतुर्थी के दिन सोना 500 रुपये गिरकर 1,55,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वैश्विक बाजारों में बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिकी डॉलर की मजबूती ने सोने पर दबाव डाला। शुक्रवार को यह पीली धातु 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, चांदी ने इस रुझान को पलट दिया। यह 2,34,600 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 57.22 अमेरिकी डॉलर या 1.3 फीसदी गिरकर 4,291.71 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी भी करीब 3 फीसदी गिरकर 62.82 अमेरिकी डॉलर पर आ गई। निवेश मंच मुड्रेक्स के लीड क्वांट एनालिस्ट अक्षत सिद्धांत ने बताया कि निवेशकों द्वारा साप्ताहिक हानि है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल क्यों आया?

अक्षत सिद्धांत के अनुसार, सऊदी अरब ने ड्रोन हमलों के बाद अपनी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद कर दी। इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। कच्चा तेल 103 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो चार महीने का नया उच्च स्तर है। इस वृद्धि ने शुक्रवार को दर्ज की गई हानि को उलट दिया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा रही हैं। इससे सोने और चांदी की मांग पर और दबाव पड़ रहा है।

ब्याज दरें बढ़ने की संभावना क्या है?

तेल की कीमतों में वृद्धि से ब्याज दरों का परिदृश्य भी जटिल हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड बैंकिंग ग्रुप (एएनजेड) ने मार्च 2027 तक फेडरल रिजर्व द्वारा तीन बार ब्याज दरें बढ़ाने का अनुमान लगाया है। प्रत्येक बढ़ोतरी 25 आधार अंक की हो सकती है। एएनजेड का मानना है कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रम और बढ़ी हुई ऊर्जा लागत मुद्रास्फीति को बढ़ाएगी। हालांकि, लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता सोने की सुरक्षित-निवेश अपील को मजबूत कर सकती है।

द बोनस मार्केट अपडेट: वैश्विक दबाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में उछाल; सेंसेक्स 75000 के पार पहुंचा

15 सितंबर, 2026 को भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़ा, निफ्टी 23,450 के ऊपर रहा और आईटी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक की तेजी आई। जानें शुक्रवार, 11 सितंबर के बाजार का हाल और वैश्विक बाजारों का प्रदर्शन। मंगलवार यानी 15 सितंबर, 2026 को भारतीय शेयर बाजार ने शानदार बढ़त दर्ज की। वैश्विक स्तर पर बढ़ते बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल के दामों ने निवेशकों को चिंतित किया। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 0.8 फीसदी की तेजी आई। सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक का उछाल देखा गया।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार, 11 सितंबर, 2026 को गैप-डाउन शुरुआत के बाद तेज वापसी की थी। सूचकांक के दिग्गज शेयरों में चुनिंदा खरीदारी से शुरुआती नुकसान की भरपाई हुई। हालांकि, यह उछाल सीमित दायरे में रहा। मानक सूचकांक मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। बैंक निफ्टी में मामूली बढ़त दर्ज की गई थी। वैश्विक बाजारों में भी मिला-जुला प्रदर्शन देखने को मिला।

भारतीय बाजार ने कैसे दिखाया दम?

मंगलवार को सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़कर 75,005.46 पर पहुंच गया। निफ्टी भी 23,450 के स्तर को पार कर 23,450.85 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे थे। इसके बावजूद भारतीय बाजारों ने इन चुनौतियों को पार करते हुए बढ़त हासिल की। सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक की जोरदार तेजी दर्ज की गई।

शुक्रवार को क्या रहा बाजार का हाल?

इससे पहले 11 सितंबर, 2026 को बाजार की शुरुआत गैप-डाउन के साथ हुई थी। हालांकि, भारतीय शेयरों ने इसके बाद तेज वापसी की। सूचकांक के दिग्गज शेयरों में चुनिंदा खरीदारी ने शुरुआती नुकसान को कम करने में मदद की। यह वापसी बहुत व्यापक नहीं थी। मानक सूचकांक अंततः मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। बैंक निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया।

छठे सोमवार भी 'हनुमान अंश' की जय-जयकार

छठे सोमवार भी 'हनुमान अंश' की जय-जयकार

Box Office Collection: फिल्म 'हनुमान अंश' का जलवा बॉक्स ऑफिस पर महीनेभर बाद भी कायम है। 'मिर्जापुर' की कमाई में गिरावट आई है। वहीं, 'हैवान' चौथे ही दिन पस्त हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म 'हनुमान अंश' की कमाई की रफ्तार थम नहीं रही है। आज मंगलवार को इस फिल्म की रिलीज को 40 दिन पूरे हो गए हैं। बीते दिन यानी छठे सोमवार को भी इसने शानदार प्रदर्शन किया है। इसके बाद रिलीज हुई फिल्मों 'मिर्जापुर द मूवी' और 'हैवान' का हाल कैसा रहा? जानिए

39वें दिन 'हनुमान अंश' ने कितने कमाए?

दो करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' 07 अगस्त को रिलीज हुई थी। यह 200 करोड़ क्लब का हिस्सा बन चुकी है और अब भी शानदार कलेक्शन जुटा रही है। कल छठे सोमवार को यानी 39वें दिन इस फिल्म ने 8.25 करोड़ रुपये कमाए। बता दें कि इससे एक दिन पहले रविवार को फिल्म का कारोबार 22.50 करोड़ रुपये रहा था। वीकडेज की शुरुआत के बाद कमाई में गिरावट आई है, मगर अब भी शानदार स्थिति में है।

- 'हनुमान अंश' का टोटल नेट कलेक्शन 223 करोड़ रुपये हो चुका है।
- वहीं, इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 277.80 करोड़ रुपये हो गया है।
- बता दें कि 11 सितंबर को 'हनुमान अंश' दुनियाभर में रिलीज हुई थी।

मिर्जापुर' का कलेक्शन घटा

पंकज त्रिपाठी की चर्चित सीरीज पर बनी यह फिल्म सिनेमाघरों में 04 सितंबर को रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला है। वीकएंड पर इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को 13.50 करोड़ और रविवार को 13.25 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं, बीते दिन सोमवार को यानी 11वें दिन इस फिल्म का कारोबार 5.50 करोड़ रुपये रहा। अब तक यह 'हनुमान अंश' के बराबरी पर थी, मगर अब यह काफी पीछे रह गई है। 'मिर्जापुर' का टोटल नेट कलेक्शन 190.30 करोड़ रुपये हो चुका है।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत फिल्म 'हैवान' बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर पड़ी है। इसकी ओपनिंग ही काफी खराब रही और अब चौथे ही दिन यह दर्शकों के लिए तरस गई है।

मैथ्यू बने बेस्ट लीड एक्टर जीन स्मार्ट ने रचा इतिहास

जानिए किस-किसकी झोली में आई एमी की ट्रॉफी

Emmy Awards 2026: इस साल के एमी अवॉर्डस के विजेताओं का एलान हो चुका है। मैथ्यू राइस को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। वहीं, जीन स्मार्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का एमी मिला है। इन्हें किस सीरीज के लिए यह सम्मान मिले हैं और इनके अलावा कौन-कौन है विजेता? जानिए 78वें प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स 2026 के मुख्य विजेताओं का एलान हो चुका है। बता दें कि इससे एक सप्ताह पहले तकनीकी और सहायक श्रेणियों के लिए क्रिएटिव आर्ट्स एमी अवॉर्ड्स प्रदान किए गए थे। अब मुख्य विनर्स की लिस्ट भी सामने आ चुकी है। हॉरर-कॉमेडी 'विडोज बे', 'हैक्स' और 'द पिट' के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला है।

मैथ्यू राइस ने झटके दो अवॉर्ड, बनाया रिकॉर्ड

अवॉर्ड सेरेमनी में मैथ्यू ने एक रिकॉर्ड कायम किया है। मैथ्यू ने एक नहीं, बल्कि दो अवॉर्ड जीते। इसी के साथ मैथ्यू राइस ने एक ही रात में दो 'लीड एक्टर' अवॉर्ड जीतकर एमी अवॉर्ड्स के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वे इस सेरेमनी के इतिहास में ऐसा करने वाले पहले एक्टर बन गए हैं।

- सोमवार को हुई सेरेमनी में मैथ्यू ने पहले नेटफ्लिक्स की 'द बीस्ट इन मी' में अपने काम के लिए 'लीड एक्टर (लिमिटेड)' का अवॉर्ड जीता।
- इसके बाद उन्होंने 'विडोज बे' के लिए 'लीड कॉमेडी एक्टर' का अवॉर्ड अपने नाम किया।
- **जीन स्मार्ट ने रचा इतिहास**
- अभिनेत्री जीन स्मार्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का एमी पुरस्कार मिला है। उन्हें 'हैक्स' के लिए यह प्रदान किया गया है। यह उनका लगातार पांचवी बार 'लीड एक्ट्रेस' का अवॉर्ड है। वह ऐसी पहली कलाकार हैं, जिन्होंने किसी सीरीज के पूरे रन के हर सीजन के लिए एक्टिंग एमी जीता हो। इसी के साथ जीन ने इतिहास रच दिया है। यह उनके करियर का आठवां एमी पुरस्कार है

राम्या कृष्णन जन्मदिन:

14 की उम्र में किया डेब्यू अमिताभ-शाहरुख संग किया रोमांस

Ramya Krishnan Birthday: अभिनेत्री राम्या कृष्णन का आज 15 सितंबर को जन्मदिन है। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक काम करने वाली राम्या ने 14 वर्ष की उम्र में सिनेमा की दुनिया में कदम रख दिए थे। जानिए उनके बारे में. अभिनेत्री राम्या कृष्णन को आप 'बाहुबली' की 'राजमाता' शिवागामी के रूप में जानते होंगे। आखिर, इसी किरदार ने उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया भी है। मगर, करियर की बात करें तो 'राजमाता' बनने से पहले वे साउथ से बॉलीवुड तक कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी थीं। हिंदी इंडस्ट्री में अमिताभ बच्चन से शाहरुख खान तक, कई बड़े सितारों के साथ उन्होंने काम किया। आज 56वें जन्मदिन पर जानिए उनसे जुड़ी बातें। राम्या कृष्णन का जन्म 15 सितंबर 1970 को चेन्नई में हुआ था।

14 साल की उम्र में राम्या ने तमिल फिल्म 'वेल्लई मनासु' (1984) से डेब्यू किया। 'बाहुबली' में राम्या का गुस्सैल और रौद्र रूप देखने को मिला था। उनके पहले की फिल्मों को देखें तो वो ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज में दिखी थीं। डेब्यू से लेकर अब तक, इतने वर्षों में उनके पहनावे और अंदाज में काफी बदलाव आया है।

बॉलीवुड की चकाचौंध ने किया आकर्षित

राम्या ने साउथ में तेलुगु, मलायलम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम किया है। इनकी पहली मलयालम फिल्म 'नीरम पुलारुमबोल' थी, जो 1986 में आई। वहीं, पहली तेलुगु फिल्म 'भलाए मिथरुलु' थी। राम्या ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बाद बॉलीवुड का रुख किया। दरअसल, राम्या साउथ इंडस्ट्री में पहले से ही अच्छा काम कर रहीं थीं, लेकिन बॉलीवुड की चकाचौंध उन्हें हिंदी फिल्मों में खींच लाई। राम्या को पहली हिंदी फिल्म 1988 में मिली। ये फिल्म थी 'दयावान' जिसमें उनके साथ विनोद खन्ना और माधुरी दीक्षित थीं। हालांकि इस फिल्म में उन्हें कुछ खास पहचान नहीं दिलाई, क्योंकि इसमें वो एक डांसर के किरदार में थीं।

यश चोपड़ा की फिल्म में दिया था 'लिपलॉक' सीन

- साल 1993 में उन्होंने यश चोपड़ा की फिल्म 'परंपरा' से हिंदी सिनेमा जगत में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर कदम रखा।
- बॉलीवुड में राम्या अपने बोल्ड अंदाज के चलते खूब सुर्खियों में रहीं।
- फिल्म 'परंपरा' में तो उन्होंने उम्र में 24 साल बड़े एक्टर विनोद खन्ना के साथ एक लिपलॉक किया जो खूब चर्चित रहा। साल 1993 में रिलीज 'खलनायक' में राम्या का बहुत छोटा सा किरदार है। मगर, वे इसमें भी छा गईं।

कंगना रनौत: 'स्वीपर की नौकरी भी नहीं मिलेगी

राखी सावंत के विवादित बयान पर एक्ट्रेस का करारा जवाब

Kangana Ranaut on Rakhi Sawant: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्मृति ईरानी को लेकर राखी सावंत के विवादित बयान पर कंगना रनौत ने पलटवार किया है। जानिए क्या है पूरा मामला और कंगना ने क्या कुछ कहा है। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने राखी सावंत के हालिया विवादित बयान पर करारा जवाब दिया है। राखी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कंगना रनौत और एक्ट्रेस से नेता बनीं स्मृति ईरानी को लेकर कुछ ऐसी बातें कही थीं, जिसके बाद वह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। अब कंगना ने राखी पर जमकर निशाना साधा है।

क्या था राखी का विवादित बयान?

दरअसल, यह पूरा विवाद 'एमके टॉक्स' पॉडकास्ट के एक एपिसोड के बाद शुरू हुआ। बातचीत के दौरान राखी सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई महिला नेताओं को लेकर विवादित टिप्पणी की। राखी ने कहा, 'मोदी जी इधर-उधर क्यों देख रहे हैं? कंगना से उन्हें हड्डियों के अलावा क्या मिलेगा? मोदी जी, इन स्मृति, कंगना और इन सभी महिलाओं ने आपको ऐसा क्या दिया कि आपने उन्हें मंत्री बना दिया? तो उन्होंने जो भी आपको दिया है, मैं भी दे सकती हूं।

'कंगना ने स्टोरी शेयर कर दिया करारा जवाब

राखी के इस बयान पर कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि सिर्फ राखी ही नहीं, बल्कि ज्यादातर असफल और कड़वाहट से भरे लोग सफल महिलाओं के चरित्र पर सवाल उठाकर अपनी जलन, ईर्ष्या, असफलता और अहंकार को सही साबित करने की कोशिश करते हैं। कंगना ने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि लोग इस तरह के लगातार और जानबूझकर किए जाने वाले हमलों के सामने कमजोर पड़ना बंद करें। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी बातों से अपमानित और आहत महसूस करना बंद करना चाहिए और हर बात पर सफाई देने की जरूरत नहीं है।

अंबानी का गणेश उत्सव: अलग लुक में दिखे सलमान

परिवार के साथ पहुंचीं बेबो कैटरीना-विक्की समेत कई सेलेब्स शामिल

Ganesh Chaturthi Celebration: गणेश चतुर्थी के मौके पर बॉलीवुड के कई सितारे अंबानी परिवार के घर पहुंचे। इस दौरान कई स्टार कपल्स भी साथ नजर आए। जानिए इस बीच क्या कुछ रहा खास गणेश चतुर्थी के मौके पर अंबानी परिवार के घर खास समारोह का आयोजन किया गया। इस सेलिब्रेशन में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए। विक्की कौशल और कैटरीना कैफ से लेकर सलमान खान तक, कई सेलेब्स ने अपनी मौजूदगी से समारोह की रौनक बढ़ाई।

विक्की कौशल अपनी पत्नी और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के साथ अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी समारोह में पहुंचे। दोनों साथ में काफी अच्छे लग रहे थे। एक्टर रितेश देशमुख भी अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा के साथ समारोह में पहुंचे। वहीं, बोनी कपूर अपने बेटे अर्जुन कपूर के साथ नजर आए। सैफ अली खान, करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर भी बच्चों तैमूर और जेह के साथ समारोह में पहुंचे। इस दौरान पूरा परिवार साथ नजर आया। वहीं, सलमान खान ने भी समारोह में शिरकत की। इस दौरान भाईजान का नया लुक नजर आया। सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी पत्नी और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ पहुंचे।

गणेश चतुर्थी: राधिका मर्चेंट ने किया डांस

Ambani Ganesh Chaturthi Celebrations: बीते दिन 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया गया। हर साल की तरह अंबानी परिवार ने भी आयोजन किया। यहां फिल्म जगत की चर्चित हस्तियां पहुंचीं। अंबानी घराने की छोटी बहू रानी राधिका मर्चेंट ने भरतनाट्यम डांस से माहौल भक्तिमय बना दिया। गणेश चतुर्थी का उत्सव अंबानी परिवार में धूमधाम से मनाया जाता है। आयोजन में फिल्म जगत की हस्तियां शिरकत करती हैं। इस बार भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। अंबानी परिवार ने भव्य तरीके से एंटीलिया में बप्पा का स्वागत किया। पूरे रीति-रिवाज के साथ उत्सव मनाया गया।

राधिका मर्चेंट ने किया खूबसूरत डांस

अनंत अंबानी की पत्नी, अंबानी परिवार की छोटी बहू रानी राधिका मर्चेंट ने भगवान गणेश को एक शानदार डांस ट्रिब्यूट दिया। उन्होंने 'एकदंताय वक्रतुंडाय' भक्ति गीत पर परफॉर्म किया। उनकी इस डांस परफॉर्मेंस से आयोजन का माहौल और भी अधिक भक्तिमय हो गया। राधिका ने भरतनाट्यम डांस करके वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। फेस्टिवल में राधिका ने गुलाबी और लाल रंग के शेड्स वाली ड्रेस पहनी। यह दरअसल, पारंपरिक लहंगा साड़ी सेट था। बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियां बप्पा के दर्शन के लिए एंटीलिया पहुंचीं। सलमान खान से लेकर करीना कपूर खान, सैफ अली खान कैटरीना कैफ, विक्की कौशल, आयोजन में पहुंचे।

Aaj ka Rashifal 15 September

मेष को करियर में सफलता के संकेत, वृष राशि वालों की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

Daily Horoscope: 15 सितंबर 2026 का राशिफल आपके लिए कैसा रहेगा? जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए आज का दिन करियर, धन, स्वास्थ्य और रिश्तों के लिहाज से कैसा रहेगा।

Aaj Ka Rashifal 15 September 2026: 15 सितंबर 2026 का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। आज कुछ राशि वालों को करियर और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। परिवार और रिश्तों के मामले में भी दिन मिला-जुला रह सकता है। आइए जानते हैं मेष से लेकर मकर राशि तक सभी राशियों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा और किन मामलों में आपको सतर्क रहना होगा।

मेष

आज का दिन आत्ममंथन और खुद को बेहतर बनाने का है। यदि लंबे समय से कोई नई कला, तकनीक या कौशल सीखने की इच्छा थी, तो आज उससे शुरुआत करना बेहद फायदेमंद रहेगा। दूर स्थान या विदेश से करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जो आपके भविष्य की दिशा बदल दे। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत और लगन की सराहना होगी। हालांकि स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही न करें और मौसमी परेशानियों से बचाव रखें। अनावश्यक खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं। रिश्तेदारों से बातचीत में संयम रखें, क्योंकि छोटी वैचारिक असहमति विवाद का रूप ले सकती है। व्यापार में बड़े निवेश से बचना बेहतर रहेगा। आज किसी भी फैसले में जल्दबाजी न करें।

वृषभ

आज आर्थिक मामलों में आपके लिए शानदार संभावनाएं बन रही हैं। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिल सकता है और अचानक आर्थिक लाभ के रास्ते खुल सकते हैं। करियर में आ रही रुकावटें दूर होंगी तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने काम को मित्रों की मदद से पूरा करने में सफलता मिल सकती है। व्यापार में मुनाफे के नए स्रोत खुलेंगे और स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। हालांकि सफलता मिलने पर अहंकार को खुद पर हावी न होने दें। सहकर्मियों और परिवार के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखना आज आपकी सबसे बड़ी ताकत होगी।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आएगा। करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुल सकते हैं, लेकिन इसके लिए आलस्य छोड़कर पूरी मेहनत करनी होगी। अधूरे काम तेजी से पूरे होंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और पार्टनर के साथ आपका रिश्ता और मजबूत होगा। किसी जरूरी काम से अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर, बेवजह के विवाद और बहस से दूरी बनाए रखें, क्योंकि आपकी एक तीखी बात बड़ा विवाद खड़ा कर सकती है। व्यापार में आज सावधानी जरूरी है और पैसों के लेन-देन या उधार से बचना बेहतर रहेगा।

कर्क

आज आपकी योजनाओं को सफलता मिलने के मजबूत संकेत हैं। जिस काम को लेकर आप काफी समय से प्रयास कर रहे थे, वह अब आगे बढ़ सकता है। कार्यस्थल पर भाग्य का साथ मिलेगा और आपकी कार्यक्षमता व उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। व्यापार की स्थिति भी पहले से मजबूत होगी। हालांकि लंबी दूरी की यात्रा आज थकान और तनाव बढ़ा सकती है, इसलिए संभव हो तो इसे टालें। खान-पान को लेकर विशेष सावधानी रखें। आज सामने आने वाले अवसरों को पहचानकर उनका समय पर लाभ उठाना आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण रहेगा।

सिंह

आज पारिवारिक जीवन में लंबे समय से चली आ रही खटास और तनाव कम होने के संकेत हैं। घर का माहौल पहले से अधिक शांत और सुखद रहेगा। संतान की ओर से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। दूर रहने वाले मित्र या रिश्तेदार भी कोई अच्छी खबर दे सकते हैं। हालांकि आज नौकरी बदलने का फैसला लेने से बचें और वर्तमान स्थिति को समझदारी से संभालें। जल्दबाजी और गुस्सा आपके बनते हुए काम को बिगाड़ सकते हैं। व्यापार में खर्च बढ़ने से मुनाफा प्रभावित हो सकता है। आलस्य को हावी न होने दें और महत्वपूर्ण काम समय पर पूरा करें।

कन्या

आज आपको अपने पुराने परिश्रम का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। करियर में उन्नति और आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में बाहरी सलाह से अधिक अपनी समझ और अंतर्ज्ञान पर भरोसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। हालांकि भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, इसलिए शांत रहकर बात को संभालें। किसी व्यक्ति या परिस्थिति को लेकर बेवजह शक और नकारात्मक सोच से बचें। व्यापार में कोई डील फाइनल करने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें और जल्दबाजी बिल्कुल न करें। सकारात्मक सोच बनाए रखना आज आपके लिए बेहद जरूरी होगा।

तुला

आज अचानक आर्थिक लाभ मिलने से आपकी कई चिंताएं दूर हो सकती हैं। व्यापार से जुड़े अटके हुए काम आसानी से पूरे होंगे और कोई नई डील भी आपके पक्ष में आ सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिलेगा, लेकिन अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। आज आपकी संतुलित और समझदारी भरी बात ही आपको सम्मान दिलाएगी। किसी से बहस करने से बचें। लंबी दूरी की यात्रा टालना बेहतर रहेगा। किसी को पैसा उधार देने से भी बचें, क्योंकि उसके वापस मिलने में परेशानी हो सकती है। संतान के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक

आज कुछ नया और रचनात्मक करने का उत्साह रहेगा। व्यापार या कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं बनेंगी और उन्हें आगे बढ़ाने में भाग्य का अच्छा साथ मिल सकता है। किसी उलझन में हैं तो अनुभवी व्यक्ति, गुरु या सच्चे शुभचिंतक की सलाह लेना उपयोगी रहेगा। व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा विशेष लाभ दे सकती है। हालांकि जिद और अड़ियल रवैया आपके काम में रुकावट डाल सकता है। पैसों से जुड़े फैसले भावनाओं में आकर न लें। परिवार में मतभेद हों तो बातचीत के जरिए उन्हें सुलझाएं। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखना आज आपकी सफलता की कुंजी रहेगा।

धनु

आज मन को लंबे समय से परेशान कर रही उथल-पुथल और चिंता काफी हद तक दूर हो सकती है। मानसिक शांति महसूस होगी और दूर स्थान से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। रिश्तेदारों और पुराने दोस्तों के साथ संबंध बेहतर होंगे तथा पुरानी कड़वाहट कम होगी। हालांकि काम के साथ परिवार के लिए भी पर्याप्त समय निकालना जरूरी है। व्यापार में खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे बचत प्रभावित हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा और बाहर के अस्वास्थ्यकर खान-पान से बचें। स्वास्थ्य को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें।

मकर

आज आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल सकता है। मानसिक तनाव कम होगा और व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर सामने आएंगे। पुराने मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे भविष्य के लिए नए रास्ते खुलेंगे। हालांकि आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत और ऊर्जा लगानी होगी। किसी शॉर्टकट के चक्कर में न पड़ें। परिवार से जुड़ा कोई बड़ा फैसला अकेले लेने के बजाय घर के बुजुर्गों की सलाह लेना बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी परेशानी को भी नजरअंदाज न करें। आलस्य छोड़कर सक्रिय रहना आपके लिए बेहद जरूरी है।

कुंभ

आज आपके मान-सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज और कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी, जिससे आपका प्रभाव बढ़ेगा। जमीन-जायदाद या प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में बड़ा लाभ मिलने के संकेत हैं। मानसिक तनाव कम होगा और स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। व्यापार के पुराने और लंबित काम दोबारा गति पकड़ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में पूरी एकाग्रता बनाए रखें और सहकर्मियों की गतिविधियों पर भी नजर रखें। बातचीत में विनम्रता जरूरी है, क्योंकि कठोर शब्द अच्छे अवसर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अचानक आने वाले गुस्से पर नियंत्रण रखें और शांत रहकर फैसले लें।

मीन

आज आपके भीतर सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह की भरपूर मात्रा रहेगी। रुके हुए और अधूरे कामों को तेजी से पूरा करने के लिए समय अनुकूल है। मन प्रसन्न रहेगा और सकारात्मक सोच के साथ किए गए प्रयासों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी और पार्टनर के साथ रिश्ता मधुर होगा। व्यापार में मनचाहा लाभ पाने के लिए मेहनत को दोगुना करना पड़ेगा। करियर में प्रतिस्पर्धा और मेहनत का दबाव रहेगा, इसलिए पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ें। लंबी दूरी की यात्रा आज थकाऊ और कम लाभदायक हो सकती है, इसलिए इससे बचना बेहतर होगा

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: कुंभ राशि वालों की दूरियां होंगी कम, मीन के रिश्ते में बढ़ेगा प्यार और अपनापन

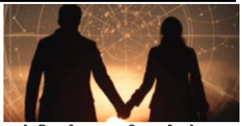

Aaj Ka Love Rashifal 15 September 2026: प्यार और रिश्तों के मामले में आज का दिन किस राशि के लिए रोमांटिक रहेगा और किसे रिश्ते में संभलकर कदम बढ़ाने की जरूरत होगी? जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल।

Aaj Ka Love Rashifal 15 September 2026: प्यार और रिश्तों के लिहाज से 15 सितंबर का दिन सभी राशियों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आ सकता है। किसी राशि के जातकों के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी, तो कुछ लोगों को पार्टनर के साथ बातचीत करते समय अपनी वाणी और व्यवहार पर ध्यान देना होगा। हीं, जो लोग लंबे समय से अपने दिल की बात कहने का इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए भी आज का दिन उम्मीद लेकर आ सकता है। शादीशुदा लोगों के लिए परिवार और जीवनसाथी के साथ तालमेल महत्वपूर्ण रहेगा। अगर आप अपने रिश्ते को लेकर किसी उलझन में हैं, तो जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 15 सितंबर का प्रेम राशिफल कैसा रहेगा।

लक्ष्मी नारायण योग 2026: पितृ पक्ष में बनेगा लक्ष्मी नारायण योग, 4 राशियों को मिलेगा धन-करियर में लाभ

लक्ष्मी नारायण योग धन, सुख-सुविधाओं, बुद्धि और समृद्धि से जुड़ा माना जाता है। ऐसे में पितृ पक्ष के दौरान यानी 27 सितंबर से कुछ राशियों को आर्थिक और करियर के मामले में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आइए जानते हैं ये चार राशियां कौन सी हैं।

ज्योतिष में ग्रहों की युति को विशेष महत्व दिया जाता है। जब शुभ ग्रह एक-दूसरे के साथ आते हैं, तो उसका प्रभाव कई राशियों के जीवन में देखने को मिल सकता है।

सितंबर के अंत में ऐसा ही एक खास संयोग बनने जा रहा है। पितृ पक्ष की शुरुआत से ठीक पहले शुक्र अपनी स्वराशि तुला में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से बुध की मौजूदगी रहेगी। दोनों ग्रहों की यह युति लक्ष्मी नारायण योग बनाएगी। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, यह योग धन, सुख-सुविधाओं, बुद्धि और समृद्धि से जुड़ा माना जाता है। ऐसे में पितृ पक्ष के दौरान यानी 27 सितंबर से कुछ राशियों को आर्थिक और करियर के मामले में अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

लक्ष्मी नारायण योग क्यों है खास?

ज्योतिषीय मान्यता में बुध को बुद्धि, संवाद, व्यापार और तर्क का कारक माना जाता है, जबकि शुक्र सुख-सुविधा, भौतिक समृद्धि, कला और वैवाहिक जीवन से जुड़े माने जाते हैं। ऐसे में दोनों ग्रहों का साथ कई लोगों के लिए आर्थिक और व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक बदलाव के संकेत दे सकता है। हालांकि किसी भी योग का वास्तविक प्रभाव व्यक्ति की जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति पर निर्भर करता है।

26 सितंबर से लक्ष्मी नारायण राजयोग, जानें 12 राशियों में किसे लाभ और किसे करना होगा इंतजार?

26 सितंबर को बुध-शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग बनने जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार इसका असर सभी 12 राशियों पर देखने को मिल सकता है। जानें किस राशि को धन, करियर और कारोबार में लाभ मिलेगा और किसे थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की चाल और उनकी युति का विशेष महत्व माना जाता है। जब शुभ ग्रह एक-दूसरे के साथ आते हैं, तो उनके संयोग से बनने वाले योग का प्रभाव कई राशियों के जीवन में देखने को मिल सकता है। सितंबर के अंत में बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग बनने जा रहा है। बुध को बुद्धि, वाणी, व्यापार और तर्क का कारक माना जाता है, जबकि शुक्र धन, प्रेम, सुख-सुविधा, कला और ऐश्वर्य से जुड़े ग्रह माने जाते हैं। ऐसे में इन दोनों ग्रहों का मिलन आर्थिक और करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि इस योग का असर सभी राशियों पर एक जैसा नहीं रहेगा। कुछ राशियों के लिए यह समय बेहद शुभ रह सकता है,जबकि कुछ लोगों को लाभ पाने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं 26 सितंबर 2026 को बनने वाले लक्ष्मी नारायण राजयोग का सभी 12 राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और किन जातकों के लिए यह योग धन, करियर और कारोबार में नई उम्मीद लेकर आ सकता है।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए यह योग कार्यक्षेत्र में नए अवसर लेकर आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में नए लोगों से संपर्क बनेंगे, जो आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकते हैं।

सूर्य कन्या गोचर: 17 सितंबर से इन राशि वालों के शुरू होंगे अच्छे दिन, करियर में मिलेगी मनचाही सफलता

Surya Gochar 2026: सूर्य कन्या राशि गोचर से कुछ राशियों को मनचाही सफलता की प्राप्त होगी। साथ ही जातकों का भाग्योदय भी संभव है। आइए इन 3 लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Gochar 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में गोचर करने जा रहे हैं। सूर्य के इस राशि परिवर्तन को कन्या संक्रांति कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य एक राशि में करीब एक महीने तक रहते हैं और इसके बाद ही अगली राशि में प्रवेश करते हैं। इस दौरान उनकी अन्य ग्रहों के साथ युति बनती है, जिसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। वर्तमान में ग्रहों के राजा सूर्य अपनी राशि सिंह में विराजमान हैं और अब 17 सितंबर को कन्या में प्रवेश करेंगे। इस दौरान बुध के साथ उनकी युति से बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह योग कुछ राशि वालों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। इसके प्रभाव से भाग्य का साथ मिलने के साथ करियर में नए अवसर और मनचाही सफलता प्राप्त हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं किन राशियों का भाग्योदय होने वाला है।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए यह समय बेहद शुभ रहने वाला है। उन्हें जीवन के कई क्षेत्रों में मनचाही सफलता मिल सकती है। इस दौरान नए लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। कारोबार से जुड़े लोग किसी नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आय के नए-नए अवसर मिलने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आपके काम की तारीफ होगी। किसी यात्रा पर जाने की योजना भी सफल होती दिख रही है।

धनु राशि

धनु राशि वालों को करियर के मनचाहे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों के मान-सम्मान और प्रभाव में वृद्धि होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की पहचान होगी। इस दौरान कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी मिल सकती है, जो भविष्य में तरक्की का रास्ता खोल सकती है। उच्च पदों पर बैठे लोगों से भी आपको सराहना मिल सकती है। किसी यात्रा पर जाने की योजना सफल होती दिख रही है और इससे आपको नए अनुभव व अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मकर राशि

मकर राशि वालों के लिए यह समय किसी चमत्कार से कम नहीं रहेगा। आय में बढ़ोतरी होने के साथ अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आमदनी बढ़ाने के नए-नए रास्ते खुल सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लंबे समय से धन से जुड़ी कोई योजना पूरी हो सकती है।

वैभव-सैमसन में किसका होगा चयन:

चोटिल वरुण की जगह किसे मिलेगा मौका? जीत के बाद भी क्यों बढ़ी भारत की चिंता

IND vs AFG T20 Playing 11: भारतीय टीम ने पहले टी20 मैच में अफगानिस्तान को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अब दोनों टीमों के बीच मंगलवार को दूसरा टी20 खेला जाएगा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि टीम प्रबंधन संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी में से किसका चयन करेगा? वहीं, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। अब देखना होगा उनकी जगह किसे मौका मिलता है। भारतीय टीम ने पहले टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराया। भारत के लिए इस मैच में गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक सब ठीक रहा। लेकिन अब जब दोनों टीमों के बीच मंगलवार को दूसरा टी20 खेला जाएगा तो एक बार फिर नजर इस पर होगी कि संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी में से किसे एकादश में मौका मिलेगा। पहले टी20 में सैमसन ने ओपनिंग की, लेकिन वह सस्ते में आउट हो गए। सैमसन के जल्दी आउट होने से भारतीय पारी पर कोई असर नहीं पड़ा। अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने दूसरे विकेट के लिए मजबूत साझेदारी कर टीम इंडिया को आसानी से जीत दिलाई। लेकिन इससे वैभव की प्लेइंग-11 में वापसी की उम्मीदें मजबूत हुईं। लेकिन सवाल यही है कि क्या टीम प्रबंधन एक मैच के बाद ही संजू को बाहर करेगा। आम परिस्थितियों में भारतीय प्लेइंग-11 में बदलाव का कोई कारण नहीं दिखता, लेकिन वरुण चक्रवर्ती की चोट के बाद एकादश में परिवर्तन तय है। इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दूसरे टी20 में सैमसन को रोटेट कर वैभव को अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत करने भेजे। अभिषेक ने अपनी तूफानी पारी से अपनी फॉर्म को लेकर उठ रही शंकाओं को दूर कर दिया। शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन ने अभ्यास के दौरान पीठ पर लगी मामूली चोट को दरकिनार करते हुए 33 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। श्रेयस अय्यर की टीम ने पहले मैच में हर मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया। सैमसन के अलावा भारत की बल्लेबाजी भी शानदार रही। हालांकि, लक्ष्य कम होने से टीम इंडिया को पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिला। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में पांचवें विश्वसनीय गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो रही है। अर्शदीप ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए और अफगानिस्तान को आठ विकेट पर 156 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती ने भी चोट से वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, दूसरे टी20 से एक दिन पहले वरुण फिर चोटिल हो गए और सीरीज से बाहर हो गए। अब उनकी जगह रवि बिश्नोई प्लेइंग-11 में शामिल हो सकते हैं।

अफगानिस्तान को पीटा:

फिर भी टीम इंडिया में इन कमजोरियों ने बढ़ाई टेंशन!

अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में सात विकेट की जीत ने टीम इंडिया की कई ताकतें सामने रखीं, लेकिन कुछ अहम सवाल भी छोड़ दिए। अभिषेक शर्मा का तूफानी प्रदर्शन और चार मुख्य गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी सकारात्मक पक्ष रहे। वहीं पांचवें गेंदबाज का विकल्प और संजू सैमसन की असफलता टीम के लिए चिंता का विषय बनी। दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पहले गेंदबाजी करते हुए भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट पर 156 रन के स्कोर तक सीमित रखा और फिर अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी के दम पर लक्ष्य महज 13.4 ओवर में हासिल कर लिया। अभिषेक ने 32 गेंदों पर 82 रन बनाए। स्कोरकार्ड भारत के लिए पूरी तरह शानदार रहा, लेकिन मैच ने टीम की मौजूदा प्लेइंग-11 की कुछ कमियां भी सामने ला दीं। खासकर पांचवें गेंदबाज का विकल्प और शीर्ष क्रम में जगह को लेकर आने वाले मुकाबलों में टीम प्रबंधन के सामने चुनौती रहने वाली है। एशियाई खेलों से पहले भारत को इनमें सुधार करना होगा। भारत के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात उसके चार मुख्य गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने मिलकर अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। इन चारों ने मिलकर 96 गेंदों में 57 डॉट गेंदें फेंकीं। यही भारत की गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत रही। बुमराह ने वापसी करते हुए 1/26 का प्रदर्शन किया, जबकि अर्शदीप सिंह ने 3/19 लेकर अफगानिस्तान की कमर तोड़ दी। अक्षर और वरुण ने भी अपनी कसी हुई गेंदबाजी से बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा। टी20 क्रिकेट में बड़े शॉट रोकना मैच की दिशा तय कर सकता है और भारत के मुख्य गेंदबाज इस मामले में शानदार रहे। अफगानिस्तान की टीम ने 156 रन बनाए, लेकिन उसकी पारी में सिर्फ सात छक्के आए। बुमराह ने अपनी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंदों से बल्लेबाजों को बांधे रखा। वहीं अर्शदीप ने अलग रणनीति अपनाते हुए फुल लेंथ और यॉर्कर से विकेट निकाले। स्पिनरों ने भी बल्लेबाजों को हाथ खोलने से रोकने के लिए स्टंप पर लगातार हमला किया।

भारत की जीत का सबसे बड़ा आकर्षण अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में 82 रन ठोक दिए। उनकी पारी में सात चौके और सात छक्के शामिल रहे।

भारतीय महिला टीम ने दिखाया आईना:

एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथ से नहीं ली ट्रॉफी

भारतीय महिला टीम ने मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराया। एशिया क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष होने के नाते नकवी ट्रॉफी देने मंच पर मौजूद थे, लेकिन भारतीय टीम ने ट्रॉफी नहीं ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा, ट्रॉफी न लेने का फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का है। टीम इसका समर्थन करती है। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप का खिताब जीतने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आईना दिखाया है। महिला टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

पीसीबी प्रमुख के खिलाफ नारेबाजी

10 बार फाइनल में पहुंचकर आठ खिताब जीतने वाली टीम इंडिया, विमेंस एशिया कप के इतिहास की सबसे सफल टीम बन गई है।

- भारतीय टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। स्टेडियम से खाली हाथ बाहर जाते दिखे नकवी। 2025 में वे ट्रॉफी अपने साथ ले गए थे। ट्रॉफी नहीं लेने के मामले में एएनआई ने क्रिकइंफो के हवाले से बताया कि भारतीय टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार ने इसे बीसीसीआई का रुख बताया।
- मजूमदार ने कहा कि टीम इंडिया को बड़े बोर्ड पर चैंपियन घोषित किया जाना ही काफी है। हमारे लिए यह टूर्नामेंट खत्म हो चुका है, हम चैंपियन हैं। यही काफी है।

नकवी के बाहर जाते समय स्टेडियम में मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नारे भी लगाए।

महिला एशिया कप में भारत का दबदबा:

आठवीं बार जीता खिताब फाइनल में श्रीलंका को हराया

IND W vs SL W Final Asia Cup 2026: हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़े। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इस तरह श्रीलंका से पुराना हिसाब भी चुकता कर लिया है। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में दबदबा बरकरार है।

भारतीय टीम वनडे हो या टी20 इस टूर्नामेंट के हर प्रारूप में हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। भारत ने सर्वाधिक आठ बार खिताब अपने नाम किया है। भारत ने 2004, 2005, 2006, 2008 में वनडे प्रारूप और 2012, 2016, 2022 और 2026 में टी20 प्रारूप में एशिया कप अपने नाम किया है। उसे 2018 और 2024 में फाइनल में हार मिली थी। शुरुआती झटके के बाद संभला श्रीलंका

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गौड़ ने इमिशा दुलानी को बोल्ड कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। दुलानी चार रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद कप्तान चामरी अट्टापट्टू और विश्मी गुणारत्ने ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को दीप्ति ने अट्टापट्टू को आउट कर तोड़ा। चामरी 32 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत को एक-एक सफलता मिली।

भारत की एकतरफा जीत: पहले टी20 में अफगानिस्तान को हराया अभिषेक शर्मा ने दिखाया दम सीरीज में हासिल की बढ़त

India vs Afghanistan 1st T20 Highlights: अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ने अफगानिस्तान को एकतरफा अंदाज में हराया। भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

अभिषेक शर्मा के शानदार अर्धशतक की मदद से भारत ने पहले टी20 मैच में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाए। जवाब में भारत ने 13.4 ओवर में तीन विकेट पर 157 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत ने इस तरह तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ही 15 सितंबर को खेला जाएगा।

अभिषेक-ईशान की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने संजू सैमसन का विकेट जल्द गंवा दिया। सैमसन को इस मैच में वैभव सूर्यवंशी की जगह मौका दिया गया था, लेकिन वह प्रभावित नहीं कर सके। इसके बाद अभिषेक ने ईशान के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। इस दौरान अभिषेक ने अर्धशतक भी जड़ा। अभिषेक शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मोहम्मद नबी ने उन्हें आउट किया। फिर ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों बल्लेबाज टीम को जीत की दहलीज तक ले आए थे। ईशान अर्धशतक के करीब थे और उन्होंने नबी की गेंद पर जोरदार शॉट लगाया। लेकिन बाउंड्री पर राशिद खान ने उनका शानदार कैच लपका। इस तरह ईशान अर्धशतक लगाने से चूक गए। श्रेयस और तिलक ने फिर जीत की औपचारिकता पूरी की।

भारत के लिए अभिषेक ने दमदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। अभिषेक ने ईशान किशन के साथ मिलकर साझेदारी निभाई। अभिषेक ने 32 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। उनके अलावा ईशान किशन ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। संजू सैमसन 10 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर नाबाद आठ और तिलक वर्मा तीन रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद नबी ने दो विकेट झटके, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजई को एक विकेट मिला। इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के इस फैसले को सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और पावरप्ले में टीम संघर्ष करती नजर आई।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।

आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।

– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300